newsjankalyanseva@gmail.com www.jksnews.com

# जनकल्याण सेवा

साप्ताहिक

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - १६ | ८ से १४ मई २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

## संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

## नशे की लत

इसे रोकने के लिए कड़े कानून हैं, मादक पदार्थ निरोधक दस्ते सक्रिय देखे जाते हैं, इसके बावजूद न तो इनकी उपलब्धता में कमी आ पा रही है और न इनका सेवन करने वालों की संख्या में। एक ताजा अध्ययन में चिंता व्यक्त की गई है कि अगले एक दशक में दस से सत्रह साल की उम्र के किशोर बुरी तरह नशे की गिरफ्त में आ सकते हैं। मानसिक सेहत से जुड़े मुद्दों, कामकाज का दबाव, बढ़ता खालीपन और बदलती सामाजिक आर्थिक स्थितियों का इस वर्ग पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। इसके चलते वे नशे की गिरफ्त में आसानी से आ जाते हैं। अध्ययन के मुताबिक नशे की बढ़ती लत का दायरा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगा। भारत चूंकि सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, इसलिए यह अध्ययन अधिक चिंता पैदा करने वाला है। इस पर काबू पाने के लिए अध्ययनकर्ताओं ने कुछ उपाय सुझाए हैं, जिनमें अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी रेखांकित की गई है। मगर जिस तरह नशीले पदार्थों का कारोबार तेजी से फैल रहा है, उसमें ये संस्थाएं प्राय: अशक्त ही नजर आती हैं। यह सच्चाई है कि किशोरावस्था में बहुत सारे लोग फिल्मी नायकों, अपने वरिष्टों, परिवार के लोगों आदि को देख कर नशीले पदार्थों के प्रति आकर्षित होते हैं। फिर ऊब, खीझ, खालीपन, पढ़ाई–लिखाई, कामकाज के दबाव में इन पदार्थों का सेवन बढ़ाते जाते हैं। फिर वे इनके लती हो जाते हैं। अब तो महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक में अवैध मादक पदार्थों की उपलब्धता लगातार बढ़ती गई है। यह छिपी बात नहीं है और नशीले पदार्थों की इतनी किस्में बाजार में सहज उपलब्ध हैं कि बहुत सारे किशोरों, युवाओं के लिए अब ये सामान्य उपभोग की वस्तु जान पड़ते हैं। अभिभावकों, अध्यापकों, रिश्तेदारों, परिचितों से छिप–छिपा कर ही ऐसे नशे का सेवन किया जाता है, इसलिए उनके लिए निगरानी रख पाना कठिन होता है। बहुत सारे अभिभावकों को तो तब इसकी भनक मिलती है, जब उनके बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। तब तक उनकी लत पर अंकुश लगाने में काफी देर हो चुकी होती है, बहुत सारे किशोरों पर परामर्श वगैरह का भी असर नहीं हो पाता। वे आक्रामक हो जाते और हर वक्त गुस्से से भरे रहने लगते हैं। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं, जिनमें भारी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप किसी बंदरगाह या दूसरे ठिकानों पर पकड़ी गई। उनके आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मादक पदार्थों का कितना बड़ा कारोबार देश में फल–फूल रहा है। मगर जब भी ऐसे पदार्थों की खरीद–बिक्री पर रोक लगाने की बात होती है, तो छिटपुट जलसों वगैरह में कुछ लोगों को इनका सेवन करते पकड़ कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती है। इसके असली सूत्र पकड़ से बाहर ही रह जाते हैं। हैरानी की बात नहीं कि कुछ मौकों पर इस कारोबार में कई राजनीतिक रसूख वाले लोगों के नाम भी उजागर हो चुके हैं। ऐसे में सरकारी तंत्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह किशोरों और युवाओं में मादक पदार्थों की बढ़ती लत पर लगाम लगाने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाए। जिस युवा पीढ़ी के बल पर देश के विकास का सपना संजोया जा रहा है, अगर वही नशे की गर्त में होगी, तो भला कैसे विकास होगा।

# सरकारी टेंबा अस्पताल में कर्मचारियों का अभाव, मरीज परेशान

**जेकेएस संवाददाता**

भाईंदर : मीरा–भायंदर का इकलौता सरकारी पं. भीमसेन जोशी (टेंबा) अस्पताल खुद बीमार अवस्था में है। डॉक्टर व टेक्नीशियन की कमी तो है ही, आश्चर्य तो यह है कि इस अस्पताल में एक भी सरकारी सफाईकर्मी नहीं है। मुंबई से सटे मीरा–भायंदर की आबादी आज १३ से १५ लाख के बीच है। इतनी बड़ी आबादी वाले शहर में मात्र एक सरकारी अस्पताल है, जो कि टेंबा अस्पताल के नाम से मशहूर है। वर्तमान ईडी सरकार के समर्थक दो–दो विधायक इस शहर से हैं। दोनों विधायकों के बड़े–बड़े दावों के बावजूद भी आज यह अस्पताल बीमार हो गया है। २०० बेड वाले अस्पताल में मात्र एक फिजिशियन है, बल्कि यह कहें कि वर्ग–अ के १८ पद हैं, जिनमें मात्र ५ पद पर लोग कार्यरत हैं। बाकी १३ पद रिक्त पड़े हुए हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में

तीन डॉक्टर फुल टाइम के लिए जरूरी हैं। दो फिजिशियन की सख्त जरूरत है। डायलोसिस टेक्नीशियन के तीन पद मंजूर हैं, लेकिन एक भी परमानेंट नहीं है। मोतियाबिंद ऑपरेशन थियेटर मंजूर है, लेकिन अभी तक काम चालू नहीं हुआ है। पं. भीमसेन जोशी (टेंबा) अस्पताल, जो पहले मीरा–भायंदर मनपा द्वारा संचालित किया जा रहा था उसे २०१८ से राज्य सरकार अपने अधीन लेकर चला रही है, तब से आज तक यहां एक भी सरकारी सफाईकर्मी की भर्ती नही हुई है, जबकि शासकीय मंजूरी ४४ सफाईकमियों की है। आलम यह है कि सफाईकर्मी के कमी के कारण भर्ती किए गए रोगियों को २४ घंटों गंदगी में रहना पड़ रहा है, जबकि सफाईकर्मियों की भर्ती के लिए मानव अधिकार आयोग द्वारा सूमोटो भी दाखिल किया गया है।

## केले के पैसे मांगने पर फलविक्रेता की हुई पिटाई, आरोपी गिरफ्तार

भाईंदर : लोग अपना पेट पानी और परिवार चलाने के लिए हाथ में मिलेगी वह मजदूरी या छोटा मोटा गांव शहर के परिवार का गुजारना करते हैं । पूरे महाराष्ट्र राज्य में १ मई को जब राज्य में मजदूर दिवस मनाया जा रहा था तब भाईंदर पश्चिम में भाईगिरी दबंगई करने वाले एक युवक के हाथों से एक दिव्यांग फल विक्रेता को पीटा जा रहा था। पीटने की वजह सुनकर बडा अजीब सा लगेगा कि, वो दिव्यांग व्यक्ति पूर्ण भाईगिरी करने वाले को मुफ्त में केले खाने से रोक रहा था। किसी बात को लेकर जब दिव्यांग फल विक्रेता को पीटा जा रहा था ऊस पिटाई का विडियो मंगलवार को बडी तेजी से महाराष्ट्र के साथ में शहर में वायरल हो गया। तब जाकर भाईंदर पुलिस हरकत में आ गई।

मंगलवार को पीडित सद्दाम हुसैन (२९) की शिकायत पर मामला दर्ज किया और आरोपी जेसन डिसूजा को चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के इस त्वरित वायरल हुए विडियो से लिया चित्र कार्रवाई का शहर के समाजसेवकों और आम नागरिकों ने स्वागत किया है। भाईंदर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक एम.बी पाटिल ने बताया कि पीडित सद्दाम हुसैन दिव्यांग है और केले बेचकर जीवन निर्वाह करता है। सोमवार को जब वो केले बेच रहा था तब आरोपी जेसन ने उसके ठेले से चार खेले उठाकर खा लिए। इस पर हुसैन ने प्रतिवाद किया। इसके बाद गालीगलौज कर आरोपी ने उसकी पिटाई कर दी। फ़िलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है। आरोपी भाईंदर पश्चिम का निवासी है।

## जंगली जानवरों से भी प्यार करो - रामदास आठवले

मुंबई : रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के एक तेंदुआ को गोद ले लिया। वन्य जीव दत्तक ग्रहण योजना के तहत आज लगातार पांचवे वर्ष रामदास अठावले ने अपने बेटे जीत आठवले से १ लाख २० हजार रुपए सालाना फीस देकर पैंथर को गोद लिया था। दलित पैंथर से पैंथर कहे जाने वाले नेता रामदास अठावले, पैंथर को वन्य जीवन की तरह प्यार करते हैं। स्वयं दलित पैंथर का पैंथर होने के कारण उन्हें पैंथर से विशेष प्रेम है इसलिए उन्होंने वन्य जीव गोद लेने की योजना के तहत लगातार पांचवें वर्ष पैंथर लेपर्ड टाइगर को गोद लिया। पैंथर्स प्रकृति में खाद्य श्रृंखला के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगली जानवरों से भी प्यार करो; प्रकृति का प्यार; रामदास अठावले ने उन लोगों से अपील की जो पर्यावरण को बचाने की कोशिश करने के लिए पैंथर को अपनाने में सक्षम हैं और हम वन संरक्षण के लिए प्रकृति के प्रति कुछ कजर्दार हैं। इस अवसर पर रामदास आठवले की पत्नी सीमाताई आठवले उपस्थित थीं। वन संरक्षक व निदेशक एस मल्लिकार्जुन ने रामदास अठावले को बाघ गोद लेने का प्रमाण पत्र सौंपा। गोद लिए गए इस तेंदुआ बाघ का नाम सिंबा रखा गया है और आज केक काटकर और बुद्ध वंदना अर्पित कर उनका पांचवा जन्मदिन मनाया गया। उत्तर मुंबई जिलाध्यक्ष रमेश गायकवाड. महासचिव अनिल कोकने, हरिहर यादव उत्तर मुंबई जिला संपर्क प्रमुख संजय बोर्डे, मुंबई उपाध्यक्ष मधुकर भोरे, चारकोप तालुका अध्यक्ष जगदीश जाल्टे, पत्रकार मयूर निकले पत्रकार मेहुल पवार, युवा नेता तेजस दिलीप वावले, नितिन भगवते, अभय मोरे कांता पावले सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## मैक्स वेलकम हॉलीडे गेस्ट हाउस में जिस्मफरोशी का धंधा, पुलिस ने किया भांडाफोड

**जेकेएस संवाददाता**

भायंदर: मुंबई से सटे हुए भायंदर इलाके में स्थित उत्तन के एक होटल में चल रहे वेश्या व्यवसाय का भंडाफोड.करते हुए पुलिस ने ७ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों में होटल का मालिक, मैनेजर और वेटर शामिल हैं. सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी होटल में आने वाले व्यक्तियों को लडकियां उपलब्ध कराते थे, जो कानून के हिसाब से अपराध है. दरअसल पुलिस को जानकारी मिली थी कि उत्तम इलाके में मैक्स वेलकम हॉलीडे गेस्ट हाउस नामक होटल में वेश्यावृत्ति का व्यवसाय धडल्ले से चल रहा है, जिसके बाद पुलिस ने नकली ग्राहक भेजकर खबर पक्की होने की पुष्ठि की और फिर ग्राहक को होटल में भेजा, बातचीत के बाद नकली ग्राहक को मोबाइल पर लडकियों का फोटो दिखाया गया. इसके बाद जिस लडक़ी को पसंद किया गया उसे होटल में काम करने वाले व्यक्ति ने बुला लिया, जिसके लिए उनसे पैसे भी लिए गए. जैसे ही भेजे गए नकली ग्राहक ने पुलिस को पैसे लिए जाने का संकेत दिया, तभी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल के पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने होटल पर छापेमारी कर दी, जिसमें लडक़ी आरोपियों के चंगुल से छुडा लिया गया है. होटल मालिक की गिरफ्तारी प्राप्त जानकारी के मुताबिक पुलिस को शक है कि पूरा वेश्यावृत्ति का व्यवसाय मालिक और मैनेजर की सांठगांठ से ही चलता था. जानकारी के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति होटल में जाता था और वहां मौजूद वेटर और मैनेजर से लडक़ी उपलब्ध कराने की मांग करता था. तब आरोपी पहले लडकियों का फोटो ग्राहकों को दिखाता था. इसके बाद जो लडक़ी पसंद होती थी उसे बुला लिया जाता था. कमरे का भाडा और लडक़ी के लिए जो मूल्य तय किया गया है, वह पूरा पैसा होटल में ही जमा कर लिया जाता था, जिसके बाद लडक़ी को उस कस्टमर के साथ भेज दिया जाता था. इसलिए पुलिस ने होटल के मालिक समेत ८ लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों का नाम मैक्सवेल मार्शल डिसूजा (मालिक), नेविल जेरोम डिसूजा (जनरल मैनेजर), विजय कालेश्वर (मैनेजर), रामलाल उर्फ कुबरु महतो, मेघलाल महतो, अशोक कुमार सिंह और हेमलाल विरो महतो नामक वेटर को गिरफ्तार किया गया है.

## यूनियन और फेरीवाले के नाम पर अवैध वसुली

**जेकेएस संवाददाता**

मीरारोड : मीरा रोड स्टेशन में बाहर रिक्शा यूनियन के नाम पर गुंडागर्दी लगातार बढती जा रही है। इस बाबत आम लोग पहले भी शिकायत करते थे लेकिन कोई कानूनी मामलों में फंसना नहीं चाहता। इसी कारण पुलिस स्टेशन में कोई मामला भी दर्ज नही हो पाता। बुधवार को भी इसी प्रकार की घटना घटी जब एक व्यक्ति ने स्वयं को यूनियन वाला बताकर २ महिला और एक पुरुष से बदतमीजी की। इस मामले में सैफ खान नामक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। मामला कुछ इस प्रकार है कि बुधवार दोपहर ४ बजे के आसपास सैफ अपने किसी परिचित का मीरा–रोड स्टेशन के बाहर अपनी बाइक पर बैठे इंतजार कर रहा था। इसी दौरान

एक अज्ञात व्यक्ति आकर सैफ से बदतमीजी करने लगा और वहां से गाडी हटाने को कहा। जब सैफ ने उसके आचरण का प्रतिरोध किया तो वो स्वयं को हनीफ शेख का भाई हूँ कहकर धमकी देने लगा। इसी दौरान जब दीपाली मिश्रा नामक महिला उसका विडियो बनाने लगी तब उक्त व्यक्ति ने उनका मोबाइल छिनने का भी प्रयास किया। एक स्थानीय निवासी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया को ये लोग यूनियन के नाम पर अवैध वसूली और गुंडागर्दी करते है। वे कहते है कि जब तक इन्हें नेताओं और प्रशासन का शह प्राप्त है तब तक सुधार की कोई गुंजाइश नही है। बीजेपी युवा उपाध्यक्ष संजय ठाकुर कहते है कि मीरा भाईंदर स्टेशन के बाहर राजनीतिक शह पाये लोग अवैध रूप से फेरीवालों को बैठाकर उनसे वसूली करते हैं। जब कोई इसका विरोध करता है तो वे गुंडागर्दी पर उत्तर आते है। ठाकुर कहते है कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

## रैश ड्राइविंग के बढते मामले से जनता परेशान

**जेकेएस संवाददाता**

मीरा–भाईंदर विगत गुरुवार की रात को मौरा रोड में सिनेमा के पास रेश रसाज पास ड्राइविंग करते एक ने कई लोगों को जख्मी कर गया ऑटो ड्राइवर कई और ७–८ गाडिय़ां क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से जख्म हुए है, इनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। आरोपी रिक्शा ड्राइवर प्रमोद शुक्ला (३२) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र वनकोटी ने बताया कि आरोपी शराब के नशे में था। लेकिन रेश ड्राइविंग की यह कोई पहली घटना नहीं है। इन दिनों शहर में कई ठिकाने रेश ड्राइविंग के अड्डे बनते जा रहे हैं। आम नागरिकों द्वारा इस बाबत लगातार शिकायत भी की जाती है लेकिन फिलहाल इसका कोई खास फायदा होता नहीं दिख रहा है। कभी कोई दुर्घटना हो जाने पर प्रशासन कुछ दिन सख्ती जरूर करता है लेकिन कुछ दिन बाद स्थिति जस की तस बन जाती है। जानते हैं ऐसी ही कुछ रैश ड्राइविंग

की घटनाओं के बारे में– इन दिनों सबसे ज्यादा रेश इनिंग की शिकायतें मीरा रोड के एल.आर तिवारी चौक के पास आती है। इस परिसर में कई स्कूल, कॉलेज और क्लब है और दर्जनों फास्ट–फूड आउटलेट खुल गए हैं। युवक बाइक और कार से इस सडक़ पर तेज रफ्तार में गाडी चलाते हैं। यहां पर स्टेट करने वालों पर कई बार कार्रवाई भी हो चुकी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुलाम फारूकी बताते हैं कि मीरा रोड रेलवे लाइन से सटी सडक़ पर शाम होते ही बाइकर्स की रेस ध लगने लगती है। वे बताते है कि कई बाइक में साइलेंसर्स को भी मॉडिफाइड किया है, जिससे कानफाडू आवाज आती है। गुरुवार को जहां घटना घटी कक्ष के नागरिक सडक़ो पर अवैध पार्किंग से परेशान हैं। सडक़ के देनों तरफ गाडियाँ पार्क रहती है। पूर्व नगरसेविका सारा अकरम कहती है कि यहाँ के फूड स्थल बलों में प्रशासन का डर खत्म हो गया है।

## बहु बनी दहेज की शिकार, सास गिरफ्तार, बाकी सब फरार

**जेकेएस संवाददाता**

भायंदर। दहेज के लिए बहु की हत्या की कोशिश के मामले में यूपी पुलिस ने मीरा रोड में दबीश दी। उसके हाथ सिर्फ सास आई।बाकी आरोपी भाग खडे.हुए।आरोपी सास को लेकर पुलिस सोमवार को उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गई। मूलत: नकवी,थाना खुटहन,जिला जौनपुर(उ. प्र.)के निवासी आरोपी अनुराग सिंह(पति),विनय सिंह(ससूर),प्रमिला सिंह(सास),निलेश (जेठ) तथा प्रीति उर्फ पिंकी(जेठानी) काशीमीरा थाने की हद में मेरीगोल्ड बिल्डिग हाटकेश में रहते हैं।जौनपुर जिले के ही सरायविक्रम, थाना बरसठी निवासी जय सिंह की पुत्री अंजली सिंह की शादी अनुराग सिंह से ६ फरवरी २०२० में गांव में हुई थी।पिता जय सिंह ने दहेज में १० लाख रुपए नकद और १५ लाख रूपये कीमत के गहने दिए थे। शादी के बाद बहु को लेकर सुसराल वाले मुंबई आ गए। आरोप है की यहां आने के बाद उनके व्यवहार में बदलाव आ गया।दहेज में स्कॉर्पियो गाडी नहीं मिलने का ताना देकर बहु को शारीरिक व मानसिक यातना देने लगे।आरोप है की इसी साल जनवरी में उसका गला दबाकर मारने की कोशिश हुई।आरोप है कि पैसा और गहना छीनकर रात्रि डेढ़ बजे बहु अंजली को घर से बाहर निकाल दिए।इस बीच अंजली गांव भी गई थी।और पिता ने गाडी लेने के लिए और १० लाख रूपया देकर उसे ससुराल में विदा किए थे।बाकी का पैसा देने का वादा किए थे।लेकिन अंजली को यातना देना नही बंद नही हुआ।पिता जय सिंह ने जौनपुर में ही मामला पंजीकृत कराया था।

# हिटमैन के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला आईपीएल २०२३ के ४९वें मैच में नहीं चला। वे शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ तीन गेंद खेलकर शून्य पर पैवेलियन लौट गए। इसी के साथ

हिटमैन के नाम आईपीएल इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वे आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मुंबई के लिए बतौर ओपनर उतरनेवाले रोहित सीएसके के विरुद्ध वन डाउन आए। बता दें कि रोहित मौजूदा सीजन में लगातार दूसरी बार डक का शिकार हुए हैं। उनका चेन्नई से पहले पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ भी खाता नहीं खुला था। पंजाब के सामने भी रोहित ने तीन गेंद खेली थीं। रोहित ने आईपीएल में अब तक १६ बार शून्य पर अपना विकेट खोया है। उनके बाद लिस्ट में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के दिनेश कार्तिक, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सुनील नरेन और मनदीप सिंह हैं। यह तीनों प्लेयर टूर्नामेंट में १५-१५ बार डक पर आउट हुए। वहीं, सीएसके के अंबाती रायडू १४ मर्तबा खाता नहीं खोल सके।

# बेबी बंप की माया

आजकल बेबी बंप दिखाने का फैशन हो चला है, जैसे कोई अजूबा हो। सेलिब्रेटी इसलिए भी दिखाते और फोटोशूट कराते हैं कि इससे भी उनकी मार्केटिंग हो जाती है। सब बाजार की माया है। इस माया में अब एक गोल्फर ने भी अपनी पत्नी के गर्भवती हो जाने पर फोटोशूट कराया और सोशल मीडिया पर एलान किया कि वो पापा बननेवाले हैं। जी हां, गोल्फर ब्रूक्स कोप्का को अपने जन्मदिन पर बड़ा उपहार मिला है। उनकी पत्नी जेना सिम्स ने खुलासा किया कि वे गर्भवती हैं। अप्रैल २०२१ में स्टार गोल्फर कोप्का ने अभिनेत्री जेना से अपनी सगाई की घोषणा की थी। पिछले साल जून में उन्होंने तुर्क और वैंकोस में एक भव्य

समारोह में शादी की थी। कोप्का और सिम्स पांच साल तक एक साथ रहे थे। शादी के बंधन में बंधने से पहले वे अपने साथी को आदर्श साथी कहते थे। अब वे दोनों परिवार में नए सदस्य का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। ३४ वर्षीय जेना ने इंस्टाग्राम पर बेबी स्वैन की कई क्लिप वाली एक मनमोहक पोस्ट शेयर की है, जिसमें उनके अमेरिकी पति जो ३४वां बर्थडे मना रहे हैं, बगल में खड़े हैं। एक फोटो में वो उनके पेट को चूमते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, जन्मदिन मुबारक हो, सबसे अच्छा अभी आना बाकी है।

# फ्लॉप ट्रिपल एम

आईपीएल का यह भी एक अनोखा संयोग है कि इसमें जिन खिलाड़ियों का फ्लॉप प्रदर्शन रहा और जिनका करियर लगभग खत्म हुआ माना जा रहा है, वो एम नाम से हैं। जी हां, आईपीएल के ये ट्रिपल एम अब शायद ही अगली बार दिखाई दें। मनीष पांडे, मयंक अग्रवाल और मनदीप सिंह इन तीनों का करियर संकट में दिखने लगा है। दिल्ली कैपिटल्स के मनीष पांडे अभी तक अपने ७ मैचों में १९ की बेहद खराब औसत से १३३ रन ही बना पाए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के मयंक अग्रवाल अभी तक अपने ९ मैचों में २०.७८ की बेहद खराब औसत से १८७ रन ही बना पाए हैं और केकेआर के बल्लेबाज मनदीप सिंह आईपीएल २०२३ सीजन में अभी तक २, ० और १२ रन के स्कोर ही बना पाए हैं। ३१ साल के बल्लेबाज मनदीप सिंह को आईपीएल में काफी मौके मिल चुके हैं, जिन्हें उन्होंने बुरी तरह बर्बाद कर दिया है। कुल मिलाकर, ट्रिपल एम अपनी आखिरी आईपीएल पारी खेलते हुए जान पड़ते हैं। यही तो मजा है। क्रिकेट के इस बाजार में सारे नाटक होने चाहिए तभी तो दर्शक बढ़ते हैं। मैचेस बिकते हैं और सबके वारे न्यारे होते हैं। पिछले दिनों गौतम गंभीर और विराट कोहली की मैदानी झड़प ने खूब सुर्खियां बटोरी। इस मामले में जिस किसी ने भी अपनी बिन मांगी सलाह दी वो भी चर्चा में आ गया। अब युवराज सिंह ने ट्वीट कर मजे लिए हैं। युवराज सिंह ने एक ऐसा ट्वीट किया है.

# मंत्री मस्त, जनता त्रस्त : १२ साल बाद भी नहीं बना मुंबई-गोवा हाईवे !

**जेकेएस संवाददाता**

मुंबई : महाराष्ट्र के कोकण से सटे हुए गोवा तक की सड़क भी खस्ताहाल है। खराब सड़कों के चलते हजारों लोगों की जान हर साल उस सड़क पर हादसों से जाती है। लेकिन फिर भी सरकार की आंखे नहीं खुल रही हैं। १२ साल बाद भी मुंबई-गोवा हाईवे का काम ठप है। समय-समय पर कोर्ट के आदेश, सरकार के मंत्रियों के भारी वादे और सरकार की ओर से प्रशासन को दिए गए आदेश के बावजूद भी काम ठप है। सरकार और अधिकारियों के आदेश को ठेकेदार अनसुना कर रहे हैं। यहां सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी के लोग खराब सड़क पर यात्रा करने को मजबूर हैं। प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ कोकण क्षेत्र से जुड़ी तमाम

संस्थाओं ने अब हाथ मिलाया है और राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार के खिलाफ जोरदार आंदोलन करने की घोषणा की है। अपनी नाराजगी व्यक्त करने और इस मुद्दे पर सभी कोकणवासियों को एक बार फिर से संगठित करने के लिए मुंबई-गोवा राजमार्ग जन आंदोलन समिति विरोध प्रदर्शन करेगी। कामोठे टोल प्लाजा से रविवार ७ मई, २०२३ को शाम ४ बजे दोपहिया रैली का आयोजन किया गया है। यह रैली शाम करीब ६.३० बजे खरपाड़ा टोल प्लाजा पर समाप्त होगी। खरपाड़ा में समापन बैठक होगी और अगले निर्देश की घोषणा की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंबई-गोवा महामार्ग पर ४५१ किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य होना था। प्रशासन, राजनीतिक नेतृत्व, ठेकेदारों और स्थानीय व मुंबई-ठाणे की जनता के समन्वय से बड़े पैमाने पर बचे हुए कार्य शुरू किए गए थे। पलस्पे से कासू फेज का कार्य के लिए आदेश मिलने के बाद ठेकेदार जे. एम. म्हात्रे ने काम शुरू किया। यहां प्रति महीने ४ किमी सड़क बनाने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पिछले एक माह में यहां ढाई किलोमीटर से भी कम सड़क ही बन पाई है। कासू से इंदापुर तक दूसरे चरण का काम अभी शुरू भी नहीं हुआ है। साथ ही परशुराम घाट, संगमेश्वर, लांजा के क्षेत्रों में भी काम अभी अधूरा है, ऐसे में इस परियोजना को पूरा न होने से नाराज लोगों ने मुंबई-गोवा महामार्ग जन आक्रोश समिति का गठन किया है। इसके तहत दर्जनभर संगठन एक साथ आए हैं।

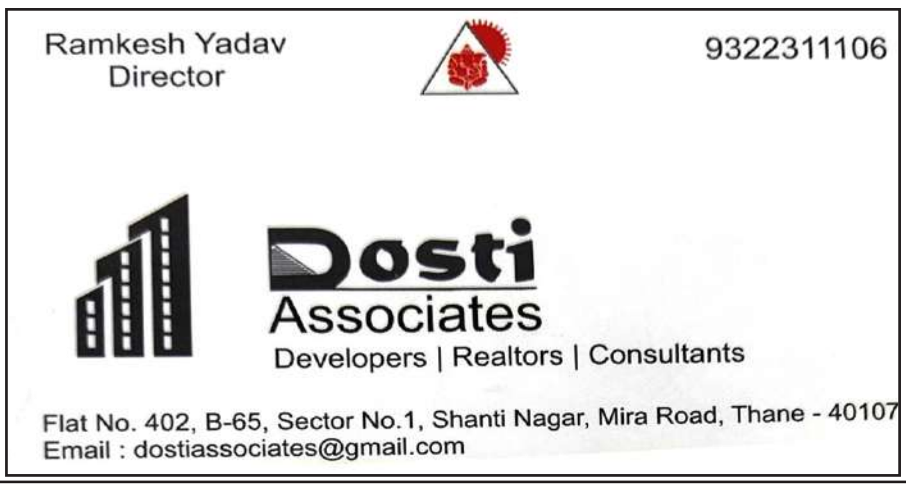

# पहले फिल्म बाद में बच्चा!

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस कैटरीना कैफ अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी के चलते भी सुर्खियों में रहती हैं। शादी के बाद से ही अक्सर वे अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। जब कभी उन्हें किसी क्लीनिक या हॉस्पिटल के बाहर देखा जाता खुद-ब-खुद अटकलों का बाजार गर्म हो जाता कि वे प्रेग्नेंट हैं। खैर, इन अटकलों के बीच अब खुद कैटरीना ने बेबी प्लानिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। अपने दोस्तों के सामने उन्होंने बेबी को लेकर अपनी पूरी प्लानिंग साझा की। एक्ट्रेस ने बताया कि वह फिल्म पूरी होने के बाद ही यह कदम उठाएंगी। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कैटरीना ने अपने दोस्तों से कहा कि ॐमुझे बेबी प्लानिंग अपनी फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद ही करनी चाहिए, वो फिल्म जो मैं विजय सेतुपति और फरहान अख्तर के साथ कर रही हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैटरीना और विकी कौशल ने तय किया है कि अपने पहले बच्चे की प्लानिंग वे फरहान अख्तर की मूवी ॐजी ले जरा के पूरा होने के बाद करेंगे। बता दें कि इस मूवी में वैंटरीना के साथ प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी।

# बेबी किक ने परेशान किया रे

इलियाना डिक्रूज अपनी प्रेग्नेंसी का एलान करने के बाद से सुर्खियों में हैं। तब से वो लगातार अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी के बारे में अपडेट्स शेयर कर रही हैं। फिलहाल, उन्होंने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में अच्छी नींद लेने में आ रही अपनी चुनौतियों का खुलासा किया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस बेड पर लेटी नजर आ रही हैं। हालांकि, उन्होंने प्रेग्नेंसी का एलान तो कर दिया है लेकिन अभी तक उन्होंने ये नहीं बताया है कि उनके होनेवाले बच्चे का पिता कौन है? फैंस अब भी लगातार होनेवाले बच्चे के पिता के बारे में जानने को बेताब हैं, लेकिन इलियाना ने किसी की बात का कोई जवाब नहीं दिया है। खैर, एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में बताया है कि उनका बेबी किक कर रहा है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक्ट्रेस ने फोटो शेयर की है, जिसमें वो बिस्तर पर लेटे हुए सोने की कोशिश करती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे का नूर उनकी प्रेग्नेंसी की खुशी को बयां कर रहा है। इस फोटो के साथ उन्होंने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए लिखा, ॐजब आप नींद लेना चाहते हैं, लेकिन बेबी आपके पेट में डांस पार्टी करने का फैसला करता है। इलियाना ने अपने पेट में बेबी किक के अनुभव को शेयर किया। बता दें कि इससे पहले एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने बेबी बंप की पहली फोटो शेयर की थी, जिसमें वो अपनी पालतू बिल्ली के साथ बिस्तर पर कॉफी पीती नजर आई थीं।

# नकली शादी?

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य की जोड़ी साउथ की लोकप्रिय स्टार जोड़ियों में से एक है: न :न: न: थी क्योंकि अब दोनों एक-दूसरे के लिए अतीत हो चुके हैं। शादी के पांच साल बाद ही दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए। सूत्रों के मुताबिक, सामंथा से अलग होने के बाद नागा चैतन्य अभिनेत्री शोविता धूलिपाला के साथ अब एक नए रिश्ते में हैं। लेकिन सामंथा के साथ अभी तक किसी का नाम नहीं जोड़ा गया, परंतु इसी बीच कुछ ऐसा देखा गया, जिससे लोगों को लगा कि एक्ट्रेस भी अब दूसरी शादी के बारे में सोच रही हैं। दरअसल, एक्ट्रेस के गले में मंगलसूत्र देखा गया। मंगलसूत्र देखने के बाद लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि कहीं उन्होंने दूसरी शादी तो नहीं कर ली? लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल, वायरल हो रही तस्वीर असल जिंदगी की नहीं, बल्कि फिल्मी शादी की है। बता दें कि बहुत जल्द ही वे विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म ॐकुशी में दिखाई देंगी, जिसके लिए उन्होंने गले में मंगलसूत्र पहन रखा है।

# गुल्की की गुगली

फेमस शो मैडम सर कुछ समय पहले काफी सुर्खियों में था। इसका कारण शिल्पा शिंदे थीं। हालांकि उनका शो में कैमियो ही था। इस मुद्दे को लेकर शिल्पा शिंदे और मैडम सर की लीड एक्ट्रेस गुल्की जोशी के बीच सोशल मीडिया पर खूब बहसबाजी हुई। शिल्पा ने तो गुल्की की मंथली सैलरी पर तंज कसते हुए कहा था कि जितनी फीस वह महीने की उठाती हैं, उतनी उनकी एक दिन की फीस है। इस पर गुल्की ने जवाब में कहा था कि शिल्पा लाइमलाइट में बनी रहने के लिए ये सब कर रही हैं। अब एक बार फिर गुल्की ने शिल्पा पर गुगली फेंकी है। गुल्की ने कहा, ३ईमानदारी से कहूं तो ऐसी उम्मीद थी। तुम नाम नहीं बता रही हो और मैं नाम बता रही हूं, लेकिन मुझे पता है कि आपका क्या मतलब है। मैं इंडस्ट्री में पिछले १० साल से हूं व यहां के लोगों से अच्छी तरह वाकिफ हूं। यहां लोग खुद को बचाने के लिए दूसरों को दोष देते हैं और हर कोई सर्वाइव करने की पूरी कोशिश कर रहा है.

# मई १ विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर को शत शत नमन

मुंबई : विश्व मजदूर दिवस १ मई को पूरे विश्व में मनाया जाता है और महाराष्ट्र भी बडे पैमाने मे मनाया जाता है. मजदूरों के कल्याण के लिए विभिन्न कानून बनाने वाले बाबासाहेब अम्बेडकर ने एक स्वतंत्र श्रमिक दल का गठन किया, कार्यकर्ता को ८ घंटे की ड्यूटी दी, बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा कई योजनाएँ लागू की गईं, महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश प्रदान किया गया। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया नॉर्थ मुंबई डिस्ट्रिक्ट संपर्क प्रमुख संजय बोर्डे ने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया दामू नगर शाखा कांदिवली ईस्ट मागाठाने विधानसभा में डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जी को नमन किया इस बार एनसीपी अंकुश लांडगे, सामाजिक कार्यकर्ता सुंदर लांडगे, बाबू काले, अधिकार पाडमुख जनार्दन कोले, विठ्ठल दादा, किशोर ईंकर, शाहू मस्के, महादेव तर्कसे, प्रकाश साल्वे सुरेश लहने, उत्तम खोपे आपा, गंगाधर भाऊ और कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

# अमृतकाल में बूंद-बूंद के लिए तरसते आदिवासी! :पहाड़ियों लांघकर पानी जुटा रहे हैं पालघर के आदिवासी

पालघर : देश की आजादी को ७५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समूचा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस अमृतकाल में पालघर और ठाणे जिले की सीमा पर बसे गांवों के रहने वाले आदिवासी आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते नजर आ रहे हैं। साथ ही प्रकृति की गोद में बसे ये ग्रामीण पेयजल, मार्ग और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं के लिए दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर हैं। पालघर के आदिवासी दो बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। आदिवासियों पानी जुटाने के लिए पहाड़ियों को लांघना पड़ रहा है। बता दें कि सरकार यहां के आदिवासियों के विकास के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर चुकी है लेकिन विकास की योजनाएं धरालत पर कम कागजों तक ज्यादा सीमित दिखती है। ऐसे में एक बड़ा प्रश्न है कि विकास के नाम पर खर्च होने वाली करोड़ों रुपए की विकास निधि जाती कहां है? इसका जीता जागता उदाहरण मायानगर मुंबई से करीब १०० किमी की दूरी पर स्थित ठाणे और पालघर जिले के आदिवासियों

के कई गांव हैं। यहां न तो पीने के लिए पानी है, न ही चलने के लिए मार्ग और प्रकाश के लिए बिजली है। ठाणे जिले के शाहपुर तालुका मुख्यालय से ३५ से ४० किमी के अंतर पर स्थित अजनूपदापुर ग्राम पंचायत क्षेत्र के एक गांव में १७ घर हैं और करीब १०० के आप-पास यहां रहने वाले लोगों की संख्या है। यहां आजादी के अमृत काल में भी यहां मूलभूत सुविधाओं की भारी किल्लत है, जिससे ग्रामीण नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव में पीने का शद्ध पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का पूरी तरह अभाव है। सावरखुट पाडा गांव में रहने वाले ग्रामीण करीब २ किमी पहाड़ियों से होकर पीने के लिए पानी लेकर आते है, जिसके लिए उन्हें घंटों मशक्कत करनी पड़ती है। गर्मियों में ग्रामीणों की मुश्किलों का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बूढ़े, बच्चे महिलाएं तपती धूप में पानी के लिए सुबह से ही घर से निकल पड़ते है। लेकिन जनप्रतिनिधि और अधिकारी दोनो ही ग्रामीणों की समस्या को लेकर उदासीन बने हुए हैं। एक वृद्ध महिला ने कहा कि जीवन जीना यहां ग्रामीणों के लिए किसी संघर्ष से कम नहीं है। कभी कभी तो ऐसा लगता है कि जीवन ही समाप्त कर लें। ग्रामीणों का कहना है, कि बरसात में सावरखुट गांव के ग्रामीणों का संपर्क अन्य गांव से टूट जाता है। कोई बीमार पड़ जाए तो उसे पहाड़ियों से होकर चार किमी दूर खोडाला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाना पड़ता है। लेकिन चढ़ाई ज्यादा होने के कारण कभी कभी मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में कई घंटे लग जाते है, जिससे उनकी जान पर बन आती है। लोगों ने बताया कि राशन के लिए भी उन्हें करीब १५ किमी जाना पड़ता है और इसके बाद भी ये पक्का नहीं रहता कि एक बार में राशन मिल ही जाएगा। पालघर और ठाणे जिलों की सीमा पर कई नदियां हैं। पेयजल के लिए कई डैम हैं, जिनका पानी पीने के लिए मुंबई जैसे महानगरों में जाता है। आदिवासियों का कहना है कि हम सरकार की इच्छाशक्ति के अभाव में डैम और नदियों के बगल के रहकर भी पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

# कैसे निखरेगा रेलवे स्टेशन का सौंदर्य! :रेलवे ने मनपा को याद दिलाई जिम्मेदारी

मुंबई : शहर में उपनगरीय स्टेशनों के आसपास के परिसर काफी संकरे हैं। वहां फेरीवालों का कब्जा रहता है, जिससे यात्रियों को आवागमन में काफी परेशानी होती है। वहां दुकानों में किया गया अवैध निर्माण भी काफी मुसीबत पैदा करता है। ऐसे में रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना खटाई में पड़ती नजर आ रही है। इसीलिए रेलवे ने विभिन्न मनपाओं को इसे गंभीरता से लेने का अनुरोध किया है। बता दें कि मध्य रेलवे के अधिकारियों ने स्टेशनों के बाहर गंदगी को साफ करने के लिए मुंबई, ठाणे और कल्याण में मनपा से गंभीरता बरतने का अनुरोध किया है। मध्य रेलवे ने उनसे कहा, ३अगर रेलवे स्टेशन के बाहर की स्थिति में सुधार नहीं किया जाता है तो रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने का प्रयास व्यर्थ साबित होगा। हाल ही में मनपा ने मालाड स्टेशन के पश्चिम की ओर के क्षेत्र को कम करनेवाले कई अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया। ऐसी ही स्थिति गोरेगांव स्टेशन के बाहर है। जगह की कमी और ध्वनि प्रदूषण ऐसी दो समस्याएं हैं, जिनसे यात्री हमेशा परेशान रहते हैं। ट्रैफिक पुलिस अधिकारी जवंत पवार ने माना कि ऑटो-रिक्शा ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा, ये वाहन सड़क के किनारों के बीच की संकरी जगह से गुजरते हैं, जिससे लोगों के चलने के लिए कोई जगह नहीं बचती। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए जा रहे काम के बारे में बताते हुए संबंधित नागरिक अधिकारियों को एक पत्र भेजा गया था। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्य रेलवे, मेन और हार्बर लाइनों पर भायखला, माटुंगा, दिवा, मुंब्रा और टिटवाला जैसे १५ स्टेशनों का कायाकल्प करेगा, ताकि उन्हें आकर्षक, उपयोगी और यात्रियों की सुविधा के अनुकूल बनाया जा सके।

# १०० स्कूलों पर छाया बंद होने का खतरा! वजह: शिक्षकों की किल्लत

पालघर : विश्वगुरु बनने की चाहत रखनेवाले हिंदुस्थान में गुरुओं की इतनी कमी है कि हजारों की संख्या में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। देश में जहां एक तरफ रोजगार की मार है, वहीं शिक्षा क्षेत्र में रिक्त पदों की भरमार है। देश भर में शिक्षा जितनी तेजी से महंगी होती जा रही है, उतनी ही तेजी से बच्चों तक उसकी पहुंच भी कम होती जा रही है। ऐसे में पालघर जिले के गरीब-आदिवासी इलाकों में शिक्षकों की कमी से करीब १०० स्कूल बंद होने की कगार पर हैं, जिससे बड़ी संख्या में बच्चों के भविष्य को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। राज्य सरकार ने अन्य जिलों में शिक्षकों के ट्रांसफर की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की थी। स्थानांतरण के लिए आवेदन करनेवाले ४८६ में से ४६७ पात्र शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश स्वीकृत किए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को राज्य सरकार द्वारा स्थानांतारित शिक्षकों को जल्द-से-जल्द कार्यमुक्त करने के लिए कहा गया है। शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए जिला परिषद प्रशासन पर दबाव बनाया जा रहा है। जिला परिषद स्कूलों के ४६७ शिक्षकों के अंतर-जिला तबादलों से अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए लगभग १०० स्कूल बिना शिक्षक और ३०० से अधिक स्कूल एक शिक्षक के भरोसे रह जाएंगे। यदि राज्य सरकार के आदेशानुसार शिक्षकों को कार्यमुक्त कर दिया जाता है तो पालघर जिले के इन स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों का भविष्य अंधेरे में डूब जाएगा। जिला परिषद शिक्षा विभाग में स्वीकृत ७,२९२ पदों में २०२७ पद पहले से ही रिक्त पड़े हैं। लगभग १०० प्राथमिक विद्यालयों में जहां कक्षा चार तक पढ़नेवाले छात्र हैं, वहां एक शिक्षक और ३०० विद्यालयों में प्रत्येक विद्यालय में दो शिक्षक हैं। इस तरह से अगर शिक्षकों का ट्रांसफर हुआ तो आदिवासी इलाकों के करीब १०० स्कूलों में ताला लग सकता है। जिला परिषद के सीईओ भानुदास पालवे ने कहा है कि इस संबंध में पालक मंत्री से चर्चा की गई है। जिला परिषद का शिक्षा विभाग पालघर जिले के आठ तालुकों में २,३२१ प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय संचालित करता है, जहां करीब १,५८,३०० छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। पालघर जिले के अस्तित्व में आने के बाद से शिक्षकों की कमी बनी हुई है। कहीं चौथी तक तो कहीं सातवीं तक के स्कूल हैं। जिले की स्थापना के बाद से ही विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की कमी रही है और यह आज भी जारी है। पालघर जिले में पिछले कई वर्षों से जिले के बाहर तबादले बंद थे। लेकिन अब राज्य सरकार ने शिक्षकों का जिले के बाहर तबादला करने का पैंसला लिया है। ऐसे में वे पद भी रिक्त हो जाएंगे। इसके उलट पालघर जिले में तबादला या वैकल्पिक रूप से आनेवाले शिक्षकों की संख्या न के बराबर है, जिससे इसका सीधा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ेगा। प्रोन्नति व सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त पदों की संख्या भी अधिक है। इसलिए रिक्तियों में और इजाफा होगा।

# सुको के फैसले का काउंटडाउन शुरू शिंदे-फडणवीस सरकार का तय होगा भविष्य

जेकेएस संवाददाता

मुंबई, : महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष पर सुप्रीम कोर्ट के आने वाले फैसले को लेकर काउंटडाउन शुरू हो गया है. उम्मीद की जा रही है कि १५ मई से पहले इस पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आ सकता है. संविधान पीठ द्वारा किसी बडे.मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद आमतौर पर फैसला आने में कम से कम एक महीने का समय लगता है. हालांकि सुको ने इस मामले की सुनवाई १६ मार्च को पूरी कर ली है, लेकिन अभी तक फैसला नहीं सुनाया गया है. सत्ता संघर्ष की सुनवाई कर रहे एक न्यायाधीश के सेवानिवृत्त होने की तारीख नजदीक आ रही हैं, इसलिए आगामी कुछ दिनों में फैसला आने की उम्मीद की जा रही है. इस फैसले के आधार पर ही राज्य में शिंदे फडणवीस सरकार का भविष्य तय होगा. मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्या. डी.वाई चंद्रचूड, एमआर शाह, कृष्ण मुरारी, हिमा कोहली और पीएस नरसिम्हा की ५ जजों की पीठ ने की. वहीं शिंदे गुट की ओर से जाने-माने वकील हरीश साल्वे व महेश ठाकरे गुट का दावा है कि सुको का फैसला उनके पक्ष में आएगा, जबकि शिंदे गुट अपनी जीत का दावा कर रहे हैं. वहीं कहा यह भी जा रहा है कि सुको इस मामले पर फैसला लेने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को जिम्मेदारी दे सकती है. जेठमलानी समेत अधिवक्ताओं की एक टीम ने जिरह की है. दूसरी ओर ठाकरे गुट की ओर से धाकड.वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की टीम ने सेना का पक्ष रखा है. ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में शिंदे गुट के १६ विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की है. इन विधायकों में सीएम एकनाथ शिंदे भी शामिल हैं.

# मन की बात को मिला देश की जनता का भारी प्रतिसाद

मीरारोड : प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम के १०० एपिसोड पूरे हो गए। हर महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को खूब पसंद किया जाता है। इस बार के ऐतिहासिक एपिसोड को यादगार बनाने के लिए देश में जगह-जगह इसकी लाइव स्क्रीनिंग की गई और करोडों लोगों ने इसे लाइव सुना। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के द्वारा मन की बात का १०० वां भाग बीहार पृकोषट जीला अधयक्ष अनीता राप द्वारा तीन जगहों पर संचालित करते हुए एवं पदाधिकारियों साथियों और रहवासियों के साथ सुनते हुए।

# गार्डनों व पार्क की समय सीमा बढाने की मांग हुई साकार

**जेकेएस संवाददाता**

भायंदर : मीरा-भायंदर शहर में मनपा के सभी उद्यान अब रात के १०.३० बजे तक नागरिकों के लिए खुले रहेंगे. ऐसा निर्णय मनपा प्रशासन ने लिया है, जिससे अब शहरवासी देर तक गार्डन की सैर व लुफ्त उठा सकेंगे. मीरा भायंदर शहर को 'उद्यानों का शहर और 'हरित शहर' के नाम से प्रसिद्धि मिले, इसलिए विगत २ वर्षों में मनपा प्रशासन ने ८८ उद्यानों को विकसित किया है. साथ ही और भी कई उद्यान विकसित किए जाने की राह पर है. फिलहाल गर्मी का मौसम होने की वजह से तथा उद्यानों की उचित देखभाल और व्यवस्था के कारण लोग देर तक उद्यानों में अपना समय बिताना पसंद कर रहे हैं. पहले मनपा की उद्याने रात के १८.३० बजे तक ही खुली रहती थी, जिससे कामकाज से लौटने के बाद शहर के कई नागरिक इन उद्यानों का लुफ्त नहीं उठा पाते थे. उद्यानों के खुले रखने की समय-सीमा को बढाए जाने की मांग की जा रही थी. समय में परिवर्तन: मनपा आयुक्त प्रशासक दिलीप ढोले ने उद्यानों के खुले रहने के समय को बढाने का निर्णय लिया. अब मनपा के सभी उद्यान रात के ८.३० की बजाए १०.३० बजे तक खुले रहेंगे अब उद्यानों के खुले रखने का समय बदल कर सुबह ७ से १० व शाम को ५ से १०.३० बजे तक कर दी गई है. बता दें कि मीरा भायंदर में तेजी से नव विकसित हुए इंद्रलोक, रामदेव पार्क, मंगल नगर, जांगिड, मीरारोड आदि परिसरों में उद्यानों को भी विकसित किया गया है, जहां व्यायाम करने की सामग्री तथा वाकिंग ट्रैक, वरिष्ट नागरिकों को बैठने आदि की व्यवस्था की गई है. बच्चों को खेलने-कूदने तथा मनोरंजन की अत्याधुनिक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है, जिसका लाभ लेने के लिए सुबह-शाम विद्यार्थियों, नागरिकों, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ट नागरिकों का जमावडा इन उद्यानों में देखा जाता है

# महाराष्ट्र दिवस के अवसर मनपा की ओर से रंगारंग कार्यक्रम संपन्न

**जेकेएस संवाददाता**

भायंदर : मीरा-भायंदर महानगरपालिका में महाराष्ट्र दिवस धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया. आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले ने मनपा मुख्यालय प्रांगण में ध्वजारोहण किया. इसके बाद काशीमीरा में अश्वारूढ.छत्रपति शिवाजी महाराज और भायंदर पश्चिम में भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के प्रतिमा को माल्यार्पण किया गया. आयुक्त ढोले ने शहरवासियों को महाराष्ट्र दिवस की और मनपा में कार्यरत सभी कर्मचारियों को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी. भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर नाट्यगृह में आयोजित कार्यक्रम में मनपा के सभी विभागों के कर्मचारियों को आयुक्त एवं उपस्थित अधिकारियों ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. तत्पश्चात मीरा भायंदर मनपा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र की संस्कृति से जुडे. सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. वहीं, शशांक कल्याणकर के माध्यम से थियेटर में 'स्वतंत्र गाथा' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर वसई- विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई. इस दौरान पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने महाराष्ट्र दिवस पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम के दौरान पुलिस सेवा में प्रशंसनीय कार्य हेतु महाराष्ट्र पुलिस महासंचालक द्वारा पुलिस महासंचालक सम्मान चिन्ह २०२२ से सम्मानित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों को पुलिस आयुक्त पांडे ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया.

# ८.४० लाख के ड्रग्स के साथ २ गिरफ्तार

**जेकेएस संवाददाता**

मीरा रोड. मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय परिमंडल-१ के पुलिस उप आयुक्त जयंत बजबले को जानकारी मिली थी कि काशीमीरा पुलिस थाने की सीमा में रेती बंदर, घोडब़ंदर के एक चाली में बडे.पैमाने पर मेफेड्रोन नामक प्रतिबंधित मादक पदार्थ की बिक्री की जाती है. जानकारी के आधार पर बजबले ने टीम के साथ उस स्थान पर छापा मारा, जहां ८ लाख ४० हजार रुपए के १०५ ग्रा. एम.डी. ड्रग्स बरामद हुआ. एमडी को जब्त कर पुलिस ने मरजहां उर्फ गुडिय़ा ताजुद्दीन शेख व अली असगर हुसैन भाडेल़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

# शहर में जर्जर इमारतो का स्ट्रक्चर ऑडिट

**जेकेएस संवाददाता**

मीरा-भायंदर : मीरा-भायंदर मनपा द्वारा शहर की इमारतों के स्ट्रक्चर ऑडिट कराए गए हैं। इतने बड़े शहर में मात्र १४ इमारतें ही ऐसी हैं जिसे अति जर्जर माना गया है, जबकि १९ इमारत को दुरुस्त करने की आवश्यकता है। मीरा-भायंदर मनपा ने हाल ही में पुरानी इमारतों के स्ट्रक्चर ऑडिट करवाए, जिनमें ४२९ इमारतों को चिह्नित कर इनकी सूची अलग-अलग श्रेणी में बनाई गई हैं, जिनमें १४ इमारतों को अति जर्जर श्रेणी में रखा गया है। अति जर्जर इमारत की संख्या प्रभाग समिति १ और ४ में एक-एक है। प्रभाग २ और ६ में चार-चार इमारतें हैं, जबकि प्रभाग ३ में ५ इमारतें स्थित हैं और शहर की चार अति जर्जर इमारत को कोर्ट से स्थगन आदेश मिला हुआ है। गौरतलब है कि मीरा-भायंदर शहर की अधिकांश इमारतें ग्राम पंचायत व नगर परिषद के समय की बनी हुई हैं। मीरा-भायंदर मनपा ने स्ट्रक्चर ऑडिट में कुल ४२९ इमारतों को अलग-अलग सूची में शामिल किया है, जिसमें कुछ इमारतों को सी-१ की सूची में शामिल किया गया है, जिनको अति जर्जर माना गया है। सी-२ ए की सूची वाली इमारतों को खाली करवाकर मरम्मत की जानी है, तो वहीं सी-२ बी सूची की इमारतों को बिना खाली कराए ही मरम्मत किया जा सकता है। सी-३ सूची में आई इमारतों को मामूली मरम्मत की जरूरत बताई गई है। स्ट्रक्चर ऑडिट के जानकारों ने बताया कि मनपा प्रभाग अधिकारी द्वारा इमारत की रिपेरिंग के निर्देश के बाद इमारत की स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट जमा करने के निर्देश नहीं देती हैं।

# मयुरी बार पर मनपा की तोडक कारवाई

**जेकेएस संवाददाता**

मीरा-भाईंदर : आखिरकार मीरा-भाईंदर मनपा ने भाईंदर पूर्व में अवैध रूप से बने रीजेंसी होटल (पहले मयूरी बार था) को जमीदोंज कर दिया। मंगलवार को मनपा तोडक़ दस्ते ने जेसीबी का इस्तेमाल करते हुए होटल को पूरी तरह से तोड.न्यायालय के यथास्थिति आदेश के बावजूद हो रहा था निर्माण दिया। अतिक्रमण विभाग के प्रमुख उपायुक्त मारुति गायकवाड.ने कहा था कि की इस सप्ताह में होटल पर कार्रवाई होगी। इसके विगत महीनों में यहां पर दो मंजिला होटल का निर्माण कर दिया गया। वर्ष २०१९ में तत्कालीन प्रभाग अधिकारी ने नियम के विरुद्ध रिपेरिंग का परमिशन दिया था लेकिन विवाद होने के बाद १० दिन में उसे रद्द कर दिया था। इसके बाद होटल मालिक न्यायालय चला गया था और न्यायलय ने 'यथास्थिति' का आदेश दिया था। अवैध निर्माणकार्य को मनपा का शह होने का एमबीएमसी की विधि अधिकारी सई वडक़े ने ने बताया कि रिजेंसी होटल (पहले मयूरी बार) को वर्ष २०१८ में मनपा तोड.चुकी है। वडक़े के मुताबिक वर्ष २०१२ में होटल को अवैध घोषित किया जा चुका है। मामला कुछ इस प्रकार कि होटल पर न्यायालय के 'यथास्थिति' (स्टेटस को) आदेश के बावजूद अवैध निर्माणकार्य हो रहा था। इससे पहले भी होटल को तोडक़र पूरी तरह से जमीदोंज किया गया था, बावजूद आरोप भी लग रहा था। अवैध निर्माण को कार्रवाई कर रही है।

# भाईंदर में नोबल फाऊंडेशन की गरीबों के लिए पहल

**जेकेएस संवाददाता**

भाईंदर। मीरा-भाईंदर की सामाजिक प्रतिष्ठित संस्था नोबल फॉउंडेशन द्वारा प्रति गुरुवार को भाईंदर पश्चिम ) स्टेशन रोड , अंबे माता मंदिर मार्ग के कॉर्नर पर वर्षों से आवागमन करनेवाले राहगीरों को ताजा स्वादिष्ठ एवं गरमागरम खिचड़ी का वितरण किया जाता है। इस मौके पर अन्याय विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ-पत्रकार सुभाष पांडेय, विश्व हिन्दू परिषद ' एवं बजरंग दल से जुड़े कर्मठ समाजसेवक गौरांग कंसारा, नोबल फाऊंडेशन से जुड़े विजय शाह, हेतल परिख, नितेश मोरे, अमर मिश्रा बजरंगी , दीपेश जॉनी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। नोबल फाऊंडेशन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अल-कैन इंटरनेशनल कंपनी के प्रोपराइटर व उद्योगपति विजय परिख हैं। गौरतलब है कि, नोबल फाऊंडेशन संस्था द्वारा कोविडकाल में ग़रीब एवं जरूरतमंदों को भरपूर सहयोग किया है। शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में उपेक्षित लोगों का सहयोग कर उल्लेखनीय योगदान दे रही है। भाईंदर ( पूर्व ) एवं ( पश्चिम) क्षेत्र में नि:शुल्क दवाखाना एवं प्रतिदिन मात्र दस रुपये में भरपेट भोजन मुहैया करवा रही है।

# महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर शराब बेचने पर मिड टाउन रेस्टारंट पर गिरी गाज

**जेकेएस संवाददाता**

भाईंदर : उत्तन कोस्टल पुलिस ने १ मई, जो की महाराष्ट्र दिवस और अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस के रूप में मनाया जाता है और इसे ड्राई डे भी डिक्लेअर है, को शराब बेचने और ग्राहकों को हुक्का परोसने के लिए होटल मिड टाउन रेस्तरां और बार पर छापा मारा। इस दिन राज्य में किसी भी प्रकार की शराब की बिक्री की अनुमति नहीं है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक- दादाराम करांडे के नेतृत्व में एक टीम ने महाराष्ट्र दिवस (१ मई) को रात लगभग १० बजे उत्तन के डोंगरी क्षेत्र में होटल मिड टाउन में छापा मारा। परमिट रूम लाइसेंस धारक और एक वेटर को भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) और तम्बाकू युक्त हुक्का ग्राहकों को परोसते हुए पकडा था। मौके से शराब, हुक्का पाइप और तंबाकू युक्त धूम्रपान सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने मौके से जहां शराब, हुक्का पाइप, बर्तन और तंबाकू से सना धूम्रपान सामग्री जब्त की गई, वहीं पुलिस ने महाराष्ट्र दारुबंदी अधिनियम की धारा ६५(इ), ६८ और ८५ एवं सीओटीपीए अधिनियम - २००३ की धारा ४ और २१ के तहत होटल मिड टाउन के मालिक समरजीत सिंह चड्डा, करतारसिंह चड्डा (३१), वेटर जोगिंदर कुमार बालेशवर साव (२७) सहित और दो ग्राहकों वैभव राजेश कोठड़िया (२७), शाहजहां जलालुद्दीन अली (२४) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आबकारी नियमावली के अनुसार, ड्राई डे पर शराब बेचना नियमों का गंभीर उल्लंघन है जो लाइसेंस के निलंबन को आमंत्रित करता है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

# अदालत शुरू नही हुई तो वकील करेंगे आंदोलन

**जेकेएस संवाददाता**

मीरा-भाईंदर: मीरा रोड में न्यायालय शुरू करने की मांग ऐडवोकेट वेलफेयर असोसिएशन ने की है। इस संदर्भ में आयोजित बैठक में वकीलों ने न्यायालय शुरू न किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। बैठक में ऐडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को लेकर भी चर्चा हुई। असोसिएशन के अध्यक्ष ऐडवोकेट एच. आर. शर्मा ने बताया कि न्यायालय की इमारत विगत दो वर्षों से बनकर तैयार है, लेकिन लालफीताशाही के कारण इसका उद्घाटन नहीं हो पा रहा है। गौरतलब है कि पहले भी वकीलों का संगठन न्यायालय शुरू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर चुका है। न्यायालय शुरू होने पर होगी सुविधा: असोसिएशन के सह सचिव कनाई बिस्वास ने बताया कि केस की सुनवाई के लिए रोजाना ठाणे आने- जाने में ही हम लोगों का ३ घंटा बरबाद होता है। मीरा रोड में न्यायालय शुरू होने से वकीलों के साथ ही पुलिस का भी समय बचेगा। बेल, रिमांड व अन्य मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी । ऐडवोकेट महेश काबरा ने 'ई-फाइलिंग' के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ट वकील वी. आर. श्रॉफ ने की। कार्यक्रम में ऐडवोकेट सहूद अनवर, ऐडवोकेट रवि श्रीवास्तव सहित सैकडों वकील उपस्थित थे।

# बिट काईन में निवेश करने के बहाने आरोपी के साथ हुई ठगी

**जेकेएस संवाददाता**

नई मुंबई : नई मुंबई के खारघर में कैंसर पीड़ित मां के इलाज के लिए जुटाए गए ४ लाख ६५ हजार रुपयों पर साइबर के सेंधमारों ने हाथ-साफ कर दिया। ऑनलाइन पैसे कमाने का झांसा देकर ठगों ने उक्त वारदात को अंजाम दिया। बता दें कि खारघर निवासी पीड़ित व्यक्ति पेशे से इंजीनियर है। वह पिछले कई महीनों से अपनी मां के इलाज हेतु पैसे जुटा रहा था लेकिन ठगों ने ऐसा लालच दिया कि उसने थोड़े-थोड़े करके अपनी जमा पूंजी में से करीब ४ लाख ६५ हजार रुपए ठगों के हवाले कर दिए। अब उसने खारघर पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज करवाया है। उसने बताया कि कुछ दिन पहले उसके मोबाइल पर एक वीडियो आया था, जिसमें कहा गया था कि अगर आप इस वीडियो को लाइक और सब्सक्राइब करोगे तो आपको पैसे मिलेंगे, जिसके लालच में पड़कर शिकायतकर्ता ने उस वीडियो को लाइक और सब्सक्राइब कर लिया। इसके पश्चात ठगों ने पहले उसके खाते में पैसे भेजकर उसका विश्वास जीता, फिर बिटकॉइन में निवेश करके ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा दिया और उनके झांसे में फंसकर पीड़ित व्यक्ति ने निवेश करना शुरू कर दिया। कई चरणों में करीब ४ लाख ६५ हजार रुपए निवेश कर दिए। हालांकि, जब उसे कई दिनों तक पैसे वापस नहीं मिले और उसके खाते से जाते रहे तो उसे शक हुआ तथा पीड़ित ने खारघर पुलिस स्टेशन में जाकर मामला दर्ज करवाया। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9004895944 Email :newsjankalyanseva@gmail.com wwwjankalyanseva.com; Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI